vinetur

बीयर की बिक्री 20 साल के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद रोमानिया के ब्रुअर्स ने आबकारी शुल्क स्थिर रखने की मांग की

संसदीय समिति ने 2025 में बाजार 4% सिकुड़ने के बाद 2027 और 2028 में बीयर आबकारी शुल्क 2026 के स्तर पर रखने वाले विधेयक का समर्थन किया

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



बीयर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ऑफ रोमानिया के अनुसार, देश में घरेलू खपत दो दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बाद रोमानिया के बीयर उत्पादक 2028 तक बीयर पर आबकारी शुल्क स्थिर रखने की मांग कर रहे हैं।

उद्योग संगठन ने सोमवार, 23 नवंबर को कहा कि 2025 में घरेलू बीयर बाजार 4% सिकुड़कर 14.4 मिलियन हेक्टोलिटर रह गया, जबकि 2024 में यह लगभग 15 मिलियन हेक्टोलिटर था। इससे पहले 2022 और 2023, दोनों वर्षों में 5% की गिरावट आई थी, 2024 में बाजार अस्थायी रूप से स्थिर हुआ और 2025 में फिर संकुचित हो गया। संगठन के मुताबिक, पिछले चार वर्षों में बाजार की कुल मात्रा में लगभग 15% की कमी आई है।

संगठन ने चेतावनी दी कि आबकारी शुल्क में और बढ़ोतरी से ऐसे समय में यह क्षेत्र टिकाऊ स्तर से नीचे जा सकता है, जब मांग पहले ही कमजोर है। संगठन के महानिदेशक Constantin Bratu ने कहा कि ब्रुअर्स कर खत्म करने की मांग नहीं कर रहे, बल्कि ऐसी पूर्वानुमेय कर व्यवस्था चाहते हैं जिससे कंपनियां स्थानीय उत्पादन बचा सकें, निवेश जारी रख सकें और रोजगार बनाए रख सकें।

Bratu ने कहा कि 2026 की पहली छमाही में बीयर क्षेत्र पर कर का दबाव अपने अधिकतम स्तर पर पहुंच गया और बिक्री की मात्रा न्यूनतम स्तर पर आ गई। उनका तर्क था कि स्थिर बाजार से कर का आधार मजबूत होगा और इसके फलस्वरूप राज्य के बजट का राजस्व भी बढ़ेगा।

यह मांग ऐसे समय आई है जब सांसद रोमानिया की कर संहिता में बदलाव पर विचार कर रहे हैं। 4 नवंबर को चैंबर ऑफ डेप्युटीज की बजट, वित्त और बैंकिंग समिति ने राजकोषीय संहिता में संशोधन से जुड़े विधेयक PL-x 639/2024 में एक संशोधन को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके तहत 2027 और 2028 में बीयर पर आबकारी शुल्क 2026 के स्तर पर स्थिर रहेगा और मौजूदा कानून के तहत अनिवार्य महंगाई-आधारित स्वत: समायोजन रोक दिया जाएगा।

विधेयक को प्रख्यापन के लिए भेजे जाने से पहले चैंबर ऑफ डेप्युटीज की पूर्ण सदन में अंतिम मतदान की जरूरत है। इस प्रस्ताव पर फैसला लेने का अधिकार इसी सदन के पास है।

संशोधन के समर्थकों का कहना है कि एक और बढ़ोतरी से कीमतों और खपत पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा, जबकि बाजार पहले ही ऐतिहासिक निचले स्तर पर है। व्यापक पेय उद्योग के लिए यह बहस बीयर की दुकानों तक सीमित नहीं है। अधिक कर और कमजोर मांग का लंबे समय तक बना दबाव ब्रुअर्स की उत्पादन योजनाओं, पूंजीगत खर्च और रोजगार को प्रभावित कर सकता है। इसका असर वितरकों, खुदरा विक्रेताओं और जौ तथा अन्य कच्चे माल से जुड़े कृषि आपूर्तिकर्ताओं तक भी पहुंच सकता है। अगर आबकारी शुल्क स्थिर रखने की मंजूरी मिलती है, तो उत्पादकों को उत्पादन और निवेश की योजना बनाने के लिए अधिक गुंजाइश मिल सकती है ; हालांकि, इसका असर इस बात पर निर्भर करेगा कि उपभोक्ता मांग किस दिशा में जाती है।

मौजूदा व्यवस्था के तहत रोमानिया में बीयर पर मानक आबकारी शुल्क प्रति हेक्टोलिटर, प्रति डिग्री प्लाटो 5.83 लेई है। सालाना उत्पादन 200,000 हेक्टोलिटर से अधिक न रखने वाले स्वतंत्र उत्पादकों के लिए यह दर घटकर 3.21 लेई है। डिग्री प्लाटो वह इकाई है जिसका इस्तेमाल रोमानिया बीयर की आबकारी की गणना के लिए करता है ; इसमें बीयर की मात्रा और उसकी सांद्रता, दोनों को शामिल किया जाता है।

संगठन ने कहा कि 2025 और 2026 के दौरान आबकारी शुल्क में लगभग 26% की वृद्धि हुई और 2022 की तुलना में यह 55% से अधिक बढ़ा। पिछले चार वर्षों में कर में चार बार बदलाव किया गया है।

इसका असर समझाने के लिए संगठन ने कहा कि 5% अल्कोहल वाली 0.5 लीटर बीयर पर आबकारी शुल्क 2022 में लगभग 0.22 से 0.23 लेई था, जो 2026 में बढ़कर करीब 0.34 लेई हो गया। खुदरा कीमत में यह बढ़ोतरी और अधिक हो जाती है, क्योंकि रोमानिया आबकारी शुल्क पर भी 21% मूल्य वर्धित कर लगाता है।

उद्योग संगठन की यह अपील रोमानिया के पेय बाजार में व्यापक चिंता को दर्शाती है कि करों में बार-बार बढ़ोतरी से खपत घट सकती है, लेकिन इससे उत्पादकों को निवेश जारी रखने के लिए जरूरी निश्चितता मिले, यह जरूरी नहीं। बीयर निर्माता कहते हैं कि यह मुद्दा ऐसे बाजार में खास तौर पर अहम है जहां बिक्री की मात्रा पहले ही लगातार कई वर्षों से घट रही है।

फिलहाल यह प्रस्ताव संसद में लंबित है। सांसदों को तय करना है कि मौजूदा स्वत: समायोजन व्यवस्था जारी रखी जाए या अगले दो वर्षों के लिए 2026 के आबकारी शुल्क स्तर को स्थिर किया जाए।